Economic Times पेज 3
5.11.13

परंपरा में बदलाव व्यापारियों ने पूजा में आईफोन से लेकर बिजनेस एप्लिकेशंस तक शामिल किए

दिवाली पर ट्रेडर्स ने की आईपैड, मोबाइल, लैपटॉप की पूजा

[ईटी ब्यूरो *नई दिल्ली*]

बिजनेस की तकनीकी जरूरतों ने धार्मिक परंपराओं पर भी असर डाला है। दिवाली के मौके पर लक्ष्मी-गणेश के साथ बहीखाता पूजने वाला व्यापारी वर्ग अब आईपैड, मोबाइल, लैपटॉप और दूसरे गैजेट्स की पूजा भी करने लगा है। व्यापारी समाज में पिछले कुछ समय से बढ़ते जा रहे इस ट्रेंड की झलक कुछ ट्रेड एसोसिएशंस की सामूहिक पूजा में भी दिखी, जहां देवी-देवताओं के साथ सभी आधुनिक और तकनीकी उपकरण विराजमान थे।

करोलबाग में कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के हेडक्वार्टर में हुई दिवाली पूजा में व्यापारियों ने आईफोन से लेकर लैपटॉप और यहां तक की बिजनेस एप्लिकेशंस तक की दुहाई दी और उनकी पूजा-अर्चना की। कन्फेडेरेशन के प्रेसिडेंट बी सी भरतिया और महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल

पहले लक्ष्मी-गणेश के साथ बहीखाता पूजने की परंपरा थी। लेकिन व्यवहार में कंप्यूटर ने बहीखाते को रिप्लेस कर दिया और 2007 से ही व्यापारी कंप्यूटर की पूजा करने लगे। कई गैजट हमारे रोजमर्रा के काम का हिस्सा बन गए हैं। ऐसे में भगवान के साथ हम उनकी भी पूजा कर रहे हैं

प्रवीण खंडेलवाल, कैट के महामंत्री

ने बताया कि ज्यादातर व्यापार संगठनों ने अपने यहां इसी तरह से पूजा की है। उन्होंने कहा, 'पहले लक्ष्मी-गणेश के साथ बहीखाता पूजने की परंपरा थी। लेकिन व्यवहार में कंप्यूटर ने बहीखाते को रिप्लेस कर दिया और 2007 से ही व्यापारी कंप्यूटर की पूजा करने लगे। अब कई गैजट हमारे रोजमर्रा के काम का हिस्सा बन गए हैं। ऐसे में भगवान के साथ हम उनकी भी पूजा कर रहे हैं।'

राजौरी गार्डन मेन मार्केट के प्रधान रमेश खन्ना ने बताया, 'आज हम मोबाइल और कंप्यूटर के बिना व्यापार की कल्पना भी नहीं कर सकते। अब तो खुद सरकार ने टैक्स और अन्य वैधानिक जरूरतों को ऑनलाइन कर दिया है। ऐसे में व्यापारियों के लिए ये चीजें खासी अहम होती जा रही हैं। सबसे खास बात यह की नई पीढ़ी इनसे ज्यादा जुड़ाव महसूस करती है। इसीलिए मैंने इन गैजेट की भी पूजा की है।' गौरतलब है कि दिल्ली सरकार पिछले तीन साल में वैट, एक्साइज सहित कई विभागों को काफी हद तक डिजिटल प्लेटफॉर्म पर ला चुकी है। अब टैक्स रिटर्न से लेकर छोटे-मोटे काम भी ऑनलाइन होने लगे हैं।